बम्बई ने प्रारंभिक जांच की थी और यह पाया कि जहाज के अन्दर इंजिन कक्ष में एक विस्फोट हुआ जिसके परिणाम स्वरूप चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। यद्यपि विस्फोट के सही-सही कारण का पता लगाना संभव नहीं हुआ है फिर भी ऐसा अनुमान है कि दुर्घटना इस जहाज के पम्प/इंजिन कक्ष में नैफ्था गैस के रिसाव के कारण हुई थी। वाष्प शील गैस होने के कारण नेफ्था ने आग पकड़ ली और दुर्घटना का कारण बनी।

(ख) दुर्घटना, एम॰ टी॰ नंदहरि जहाज में हुई, यह जहाज एस्सार शिपिंग कम्पनी का है। जहाज 1-7-92 को बूचर द्वीप में नं॰ 1 जे॰ पी॰ पर पहुंचा और डाक किया गया। जब जहाज में नैफ्था की लोडिंग शुरू हुई तब यह देखा गया कि विल्लेज साधारण रूप से बड़े थे। तत्काल मास्टर को सूचित किया गया और लोडिंग रोक दी गई थी। तथापि विस्फोट को रोका नहीं जा सका। बम्बई पत्तन न्यास के फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर नियंत्रण किया गया।

कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट के संबंध में अध्ययन

1484. श्री राम जेठमलानी :

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कच्चे तेल के उत्पादन में आई गिरावट के संबंध में वर्ष 1992 के आरंभ में विश्व बैंक ने एक अध्ययन कराया था;

(ख) यदि हां, तो क्या इस अध्ययन दल द्वारा इस संबंध में बताए गए कारणों पर सरकार ने विचार किया है;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अध्ययन दल के प्रतिवेदन में यह उल्लेख है कि देश को कच्चे तेल के क्षेत्र में 2 बिलियन डालर की हानि हुई है;

(घ) यदि हां तो अध्ययन दल ने अपने प्रतिवेदन में देश में कच्चे तेल के उत्पादन में आई गिरावट के क्या-क्या मुख्य कारण बताए हैं; और

(ङ) इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री वी० शंकरानन्द) : (क) से (ङ) विश्व बैंक द्वारा तैयार किए गए आपन में तेल क्षेत्र में निवेश में कमी के बारे में उल्लेख किया गया है। गैस के दहन में कमी लाने के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने 3.2 बिलियन अमेरिकी डालर की अनुमानित लागत पर पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र में गैस दहन में कमी लाने की परियोजना को हाथ में लिया है। दहन में कमी लाने की परियोजनाएं गुजरात और असम में भी लागू की जा रहीं हैं। रिजर्वायर की स्थिति को कायम रखने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के सुझाव के अनुसार तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपचारी उपाय हाथ में लिए हैं।

मुम्बई हाई के तेल कूओं के अध्ययन संबंधी दास गुप्ता समिति

1485. श्री बोरेन जे० शाह :

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुम्बई हाई में तेल कुओं का अध्ययन करने हेतु 1990 में दासगुप्ता समिति गठित की गई थी;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त समिति ने अपना प्रतिवेदन सरकार को दे दिया है;

(ग) यदि हां, तो यह प्रतिवेदन कब स्तुत किया गया था तथा इसमें की गई सिफारिशों का ब्यौरा है